

Date

Visitor's Name  
Designation  
Address and  
Contact Number

२५/१९ श्रीलक्ष्मी देवी

गोप्यम्  
स्त्रीलभिर्विवरणं पूर्णं  
विवरणं पूर्णं  
विवरणं पूर्णं  
विवरणं पूर्णं  
विवरणं पूर्णं

श्रीलक्ष्मी देवी

गोप्यम्  
स्त्रीलभिर्विवरणं पूर्णं  
विवरणं पूर्णं  
विवरणं पूर्णं  
विवरणं पूर्णं  
विवरणं पूर्णं

गोप्यम्  
स्त्रीलभिर्विवरणं पूर्णं  
विवरणं पूर्णं  
विवरणं पूर्णं  
विवरणं पूर्णं  
विवरणं पूर्णं

गोप्यम्  
स्त्रीलभिर्विवरणं पूर्णं  
विवरणं पूर्णं  
विवरणं पूर्णं  
विवरणं पूर्णं  
विवरणं पूर्णं





KEEP YOUR  
SHOES HERE





KEEP YOUR  
SHOES HERE

BIRTH PLACE OF MGR

महात्मा गांधीजीनुं जन्म-स्थल

आ ओरकामां सावियावाना स्थाने सं. १६२५ ना भाद्रवा वद बारशा तारीख बील ओक्टोबर १८६९ ना दिने  
पूतलीमानी दूधे तेमना चोथा संतान मोहनदास करमचंद गांधीनो जन्म थयो.

महात्मा गांधीजीका जन्म-स्थल

भिस कमरमें स्वस्तिक चिह्नके स्थान पर भाद्रपद कृष्णा द्वादशी, संवत् १९२५ विक्रम (२ अक्टूबर,  
सन् १८६९ अीसवी) को श्री पुतलीबाने अपनी चौथी संतान मोहनदास करमचंद गांधीको जन्म दिया था।

THE BIRTH-PLACE OF MAHATMA GANDHIJI

*It was in this room exactly at the place bearing the Swastika mark that  
Putaliba gave birth to Mohandas Karamchand Gandhi, her fourth child, on the  
2nd October 1869 A.D. I.E. the 12th day of the dark half of Bhadrapada of 1925  
(Vikrama Samvat.)*



A man wearing a blue and black striped polo shirt and blue jeans stands with his hands clasped in front of him.

A woman wearing a blue sari with a gold border stands with her hands at her sides.

A woman wearing a red sari with a green border stands with her hands at her sides.



માટેની માતરાની જીવન  
માતરાની માતરાની જીવન  
Mother Smt. Putlibai Gandhi

માટેની માતરાની જીવન  
માતરાની માતરાની જીવન  
Father Shree Karan Chand Uttamchand Gandhi



पुर्य महात्मा गांधीजीका जन्मस्थान  
BIRTH PLACE OF MAHATMA GANDHIJI

प्राचीन गढ़ीजी की जन्मस्थान स्थल है। इसका निर्माण 1771 A.D. में हुआ था। यह एक बड़ा और अच्छी गढ़ी थी। यहाँ पर्यटकों के लिए एक अच्छा स्थान है। यहाँ पर्यटकों के लिए एक अच्छा स्थान है।

THE HOUSE WHERE THE MAHATMA GANDHIJI WAS BORN

HIS GREAT GRAND FATHER MAHALALOJI PURCHASED IT IN 1771 A.D. BY

GRAND FATHER UTTAMCHANDJI CAME TO IT, SOME CHANGES AND NAME IT A TWO STOREY

BUILDING COURSE OF TIME ONE MORE STOREY WAS ADDED TO THE MAIN BUILDING.

TIME GANDHIJI WAS BORN (A.D. 1869) IT HAD A VINE FLOR DALHANI

OF 22 ROOMS INCLUDING PASSAGES THE WALLS OF WHICH ARE ERECTED







1

